ASTRO ARPITA NATH

कुंडली में बंधन (जेल) योग - केस स्टडी

Arpita Nath द्वारा · केस स्टडीज़ · 2026-09-18

वैदिक ज्योतिष में, बंधन योग (कारावास, एकांतवास, व्यक्तिगत स्वतंत्रता की हानि या कानूनी हिरासत को दर्शाने वाले योग) का विश्लेषण 12वें भाव (कारावास, जेल, निर्वासन और संस्थागत अलगाव का भाव), छठे भाव (मुकदमेबाजी, शत्रु और आपराधिक आरोप), आठवें भाव (अचानक संकट/जाल और दंड), तथा लग्न (स्वतंत्रता/शरीर) और उसके स्वामी की स्थिति के माध्यम से किया जाता है।

1. कुंडली में मुख्य ग्रह स्थितियां

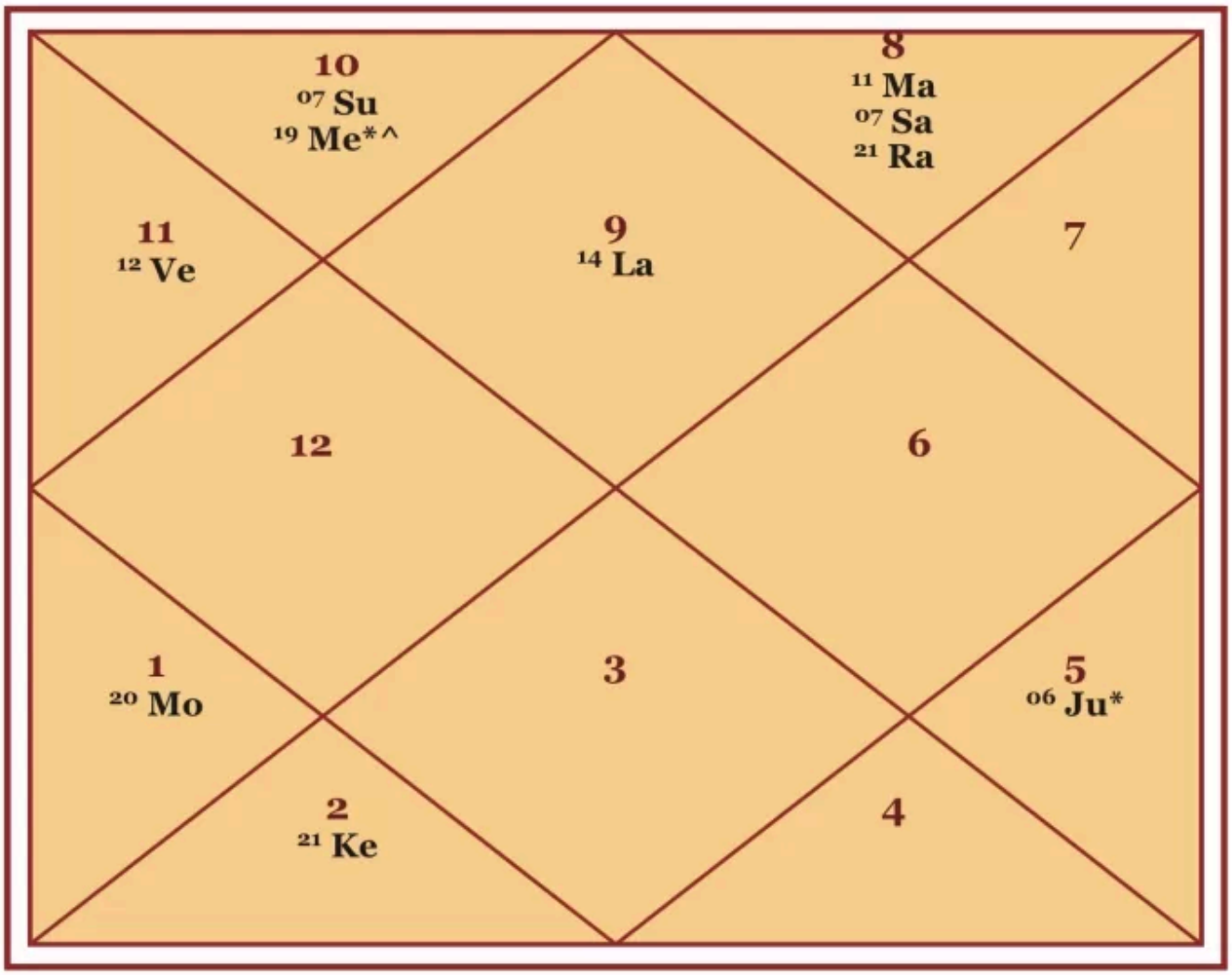

• **लग्न (Ascendant):** धनु (राशि 9) 14° पर।

• **लग्नेश:** बृहस्पति (Ju*), 9वें भाव में सिंह राशि (राशि 5) में 06° पर स्थित (वक्री)।

• **12वां भाव (कारावास / जेल):** वृश्चिक (राशि 8)।

• **12वें भाव में ग्रह:** मंगल (Ma) 11° पर, शनि (Sa) 07° पर, और राहु (Ra) 21° पर।

• **छठा भाव (मुकदमेबाजी और दंड):** वृषभ (राशि 2), जिसमें केतु (Ke) 21° पर स्थित है।

• **8वां भाव (दंडात्मक कार्रवाई और अचानक पतन):** कर्क (राशि 4)।

• **सूर्य (अधिकार और राज्य कानून):** अस्त/वक्री बुध के साथ मकर राशि (दूसरे भाव) में 07° पर स्थित।

2. बंधन / जेल योग के मुख्य संकेतक

*12वें भाव में अत्यंत क्रूर पाप ग्रहों का गंभीर जमावड़ा

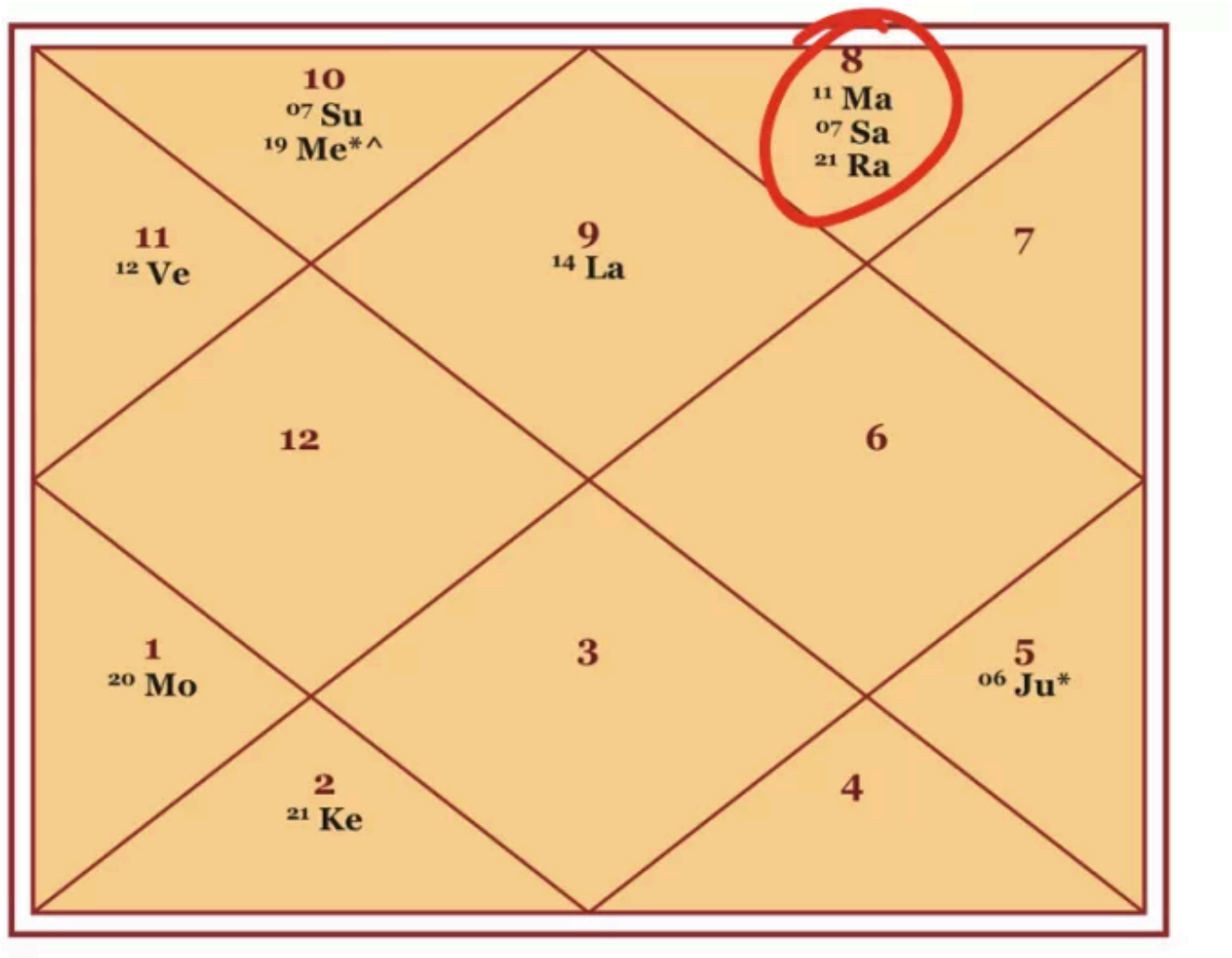

• 12वां भाव सीधे तौर पर जेल, हवालात, हिरासत केंद्रों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नुकसान का प्रतिनिधित्व करता है।

• इस कुंडली में, 12वें भाव (वृश्चिक राशि) में एक बेहद कठोर युति बनी हुई है: मंगल, शनि और राहु।

• मंगल संघर्ष, पुलिस और शारीरिक बल का नैसर्गिक कारक ग्रह है; शनि कारावास, लोहे की सलाखों और दंड का नैसर्गिक कारक है; और राहु छल, गैरकानूनी गतिविधियों व अप्रत्याशित रूप से फंसने का प्रतीक है।

• तीनों प्रमुख नैसर्गिक पाप ग्रहों का बंधन और एकांत के भाव में एक साथ होना, जेल यात्रा या संस्थागत अलगाव (आइसोलेशन) का एक अत्यंत प्रबल शास्त्रीय योग बनाता है।

***नोडल अक्ष (राहु-केतु) द्वारा 6वें-12वें अक्ष की सक्रियता**

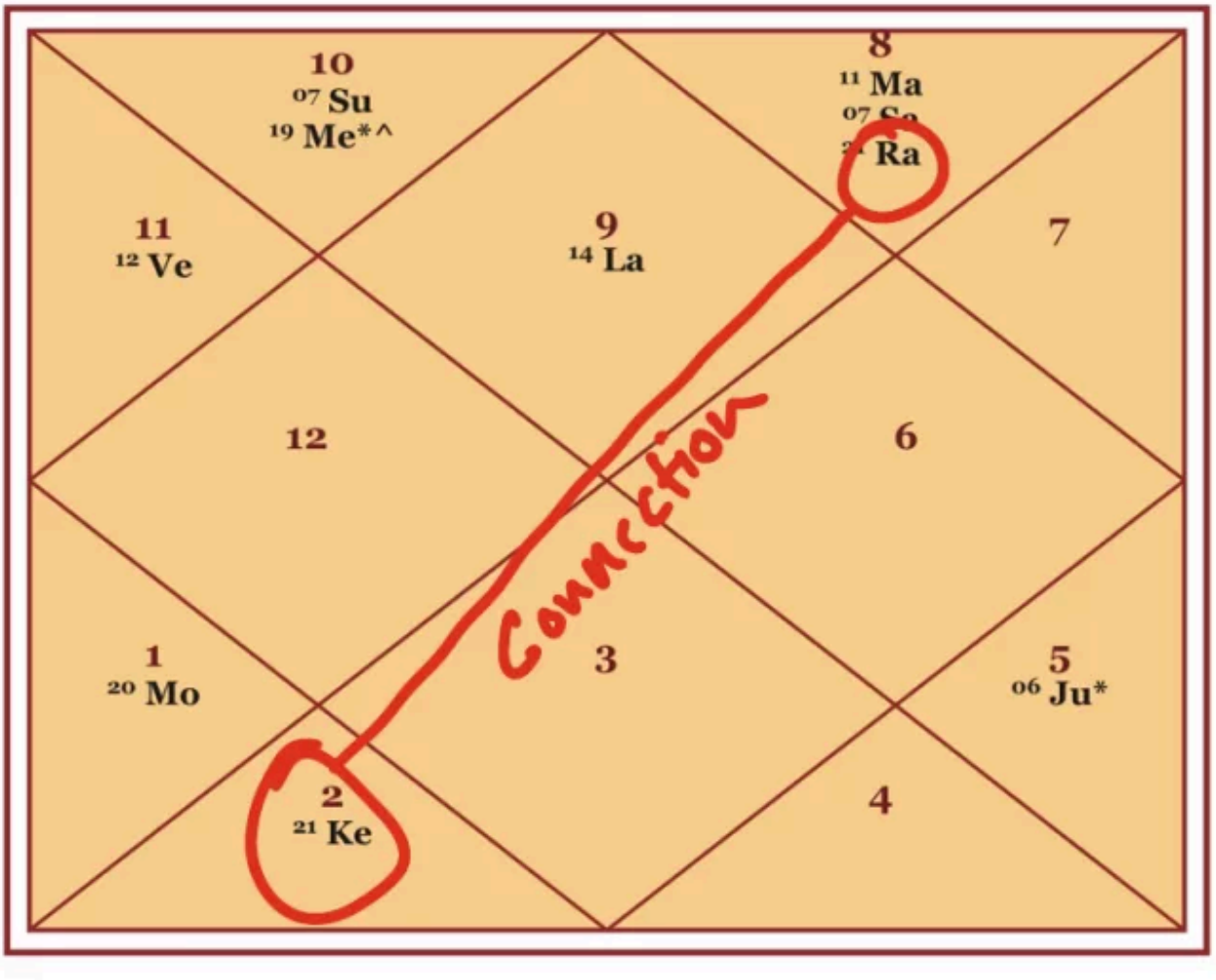

• छठा भाव कानूनी लड़ाइयों, सरकारी आरोपों, अदालतों और विरोधियों का कारक होता है।

• यहाँ, केतु 6वें भाव (वृषभ राशि) में 21° पर स्थित है, जबकि राहु 12वें भाव (वृश्चिक राशि) में 21° पर बैठा है।

• यह कार्मिक उलझन का एक सटीक अक्ष बनाता है जो मुकदमों (6ठे भाव) को सीधे कारावास और हिरासत (12वें भाव) से जोड़ता है।

***कारावास में शनि की प्रत्यक्ष भूमिका**

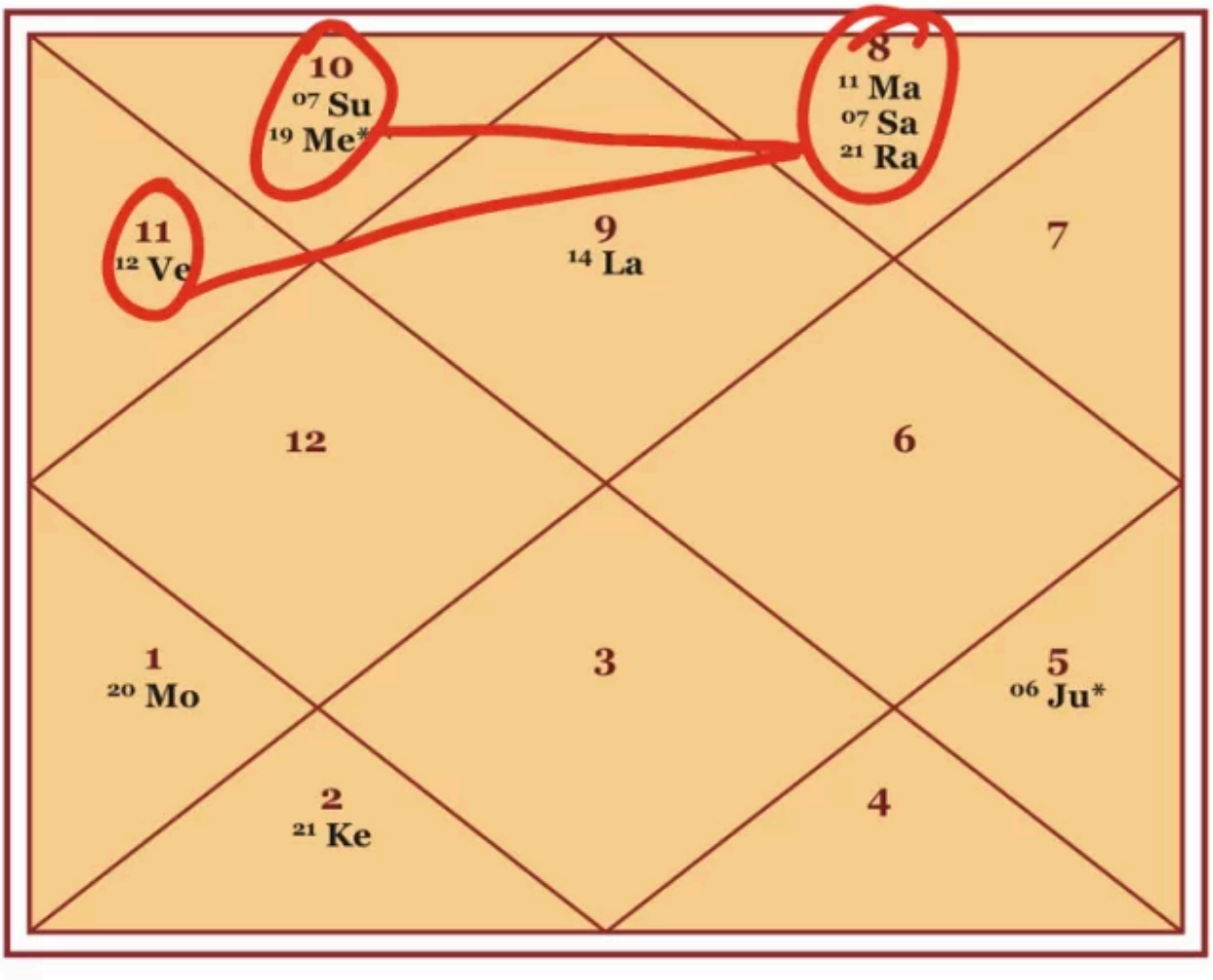

• शनि दूसरे और तीसरे भाव का स्वामी है और शत्रु राशि (वृश्चिक) में सीधे 12वें भाव में बैठा है।

• शास्त्रीय ग्रंथों के अनुसार, जब 12वें भाव में शनि और मंगल की युति होती है, तो जातक को दंडात्मक कारावास, शारीरिक आवाजाही पर प्रतिबंध और कानून लागू करने वाली एजेंसियों या अधिकारियों की कड़ी निगरानी का सामना करना पड़ता है।

***12वें भाव में स्वराशि का मंगल (12वें भाव का स्वामी 12वें भाव में)**

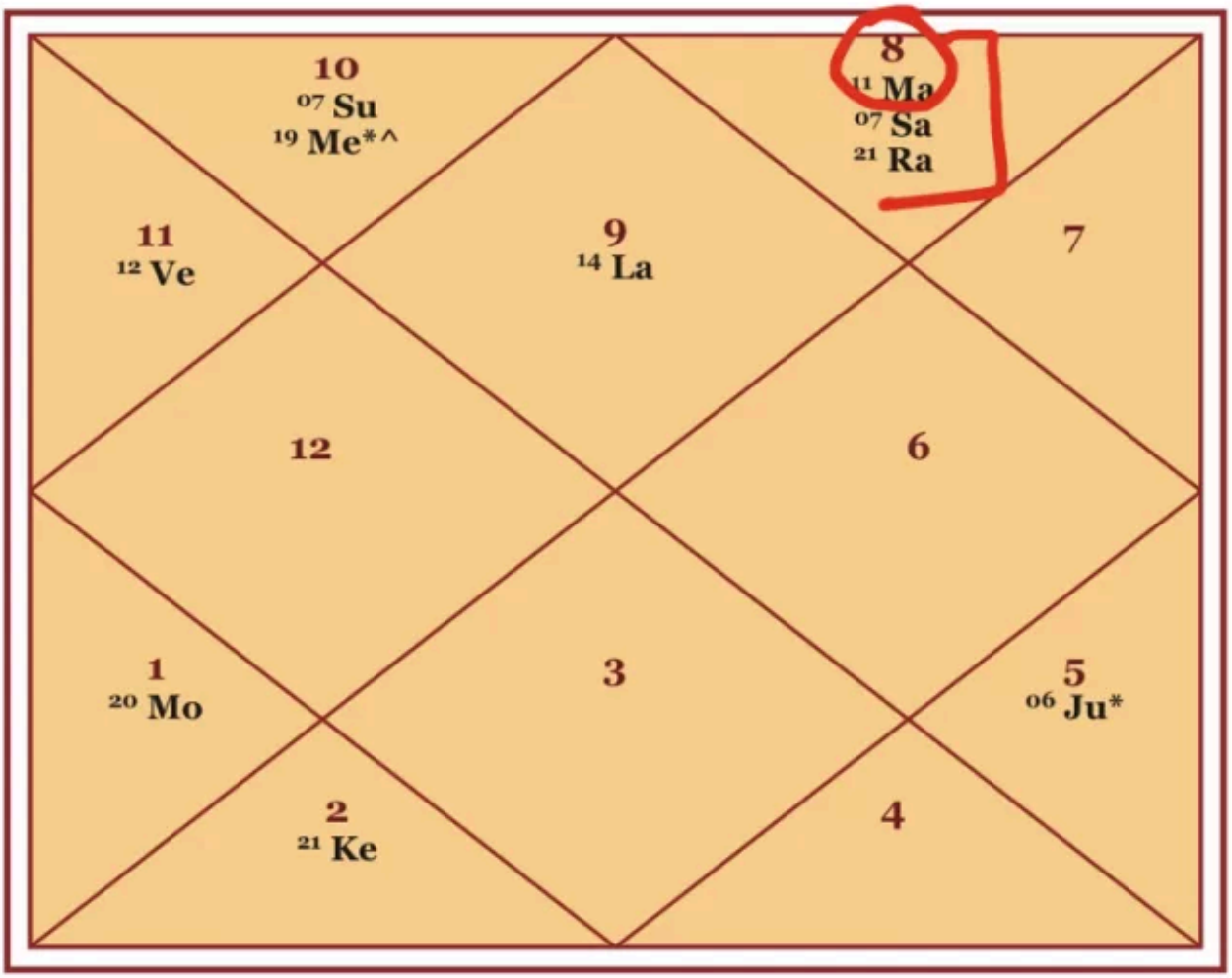

• मंगल वृश्चिक राशि (स्वयं 12वें भाव) का स्वामी है। यद्यपि यह अपनी स्वक्षेत्र राशि में स्थित है, फिर भी यह अलगाव और हानि के क्षेत्र में अत्यधिक आक्रामक व उग्र ऊर्जा को केंद्रित करता है।

• 12वें भाव के स्वामी (मंगल) की शनि और राहु के साथ युति 12वें भाव से जुड़े परिणामों—विशेष रूप से समाज से दूर बंदी बनाकर रखे जाने—को पूरी तरह सुनिश्चित करती है।

3. दृष्टि संबंधी दबाव और ट्रिगर्स

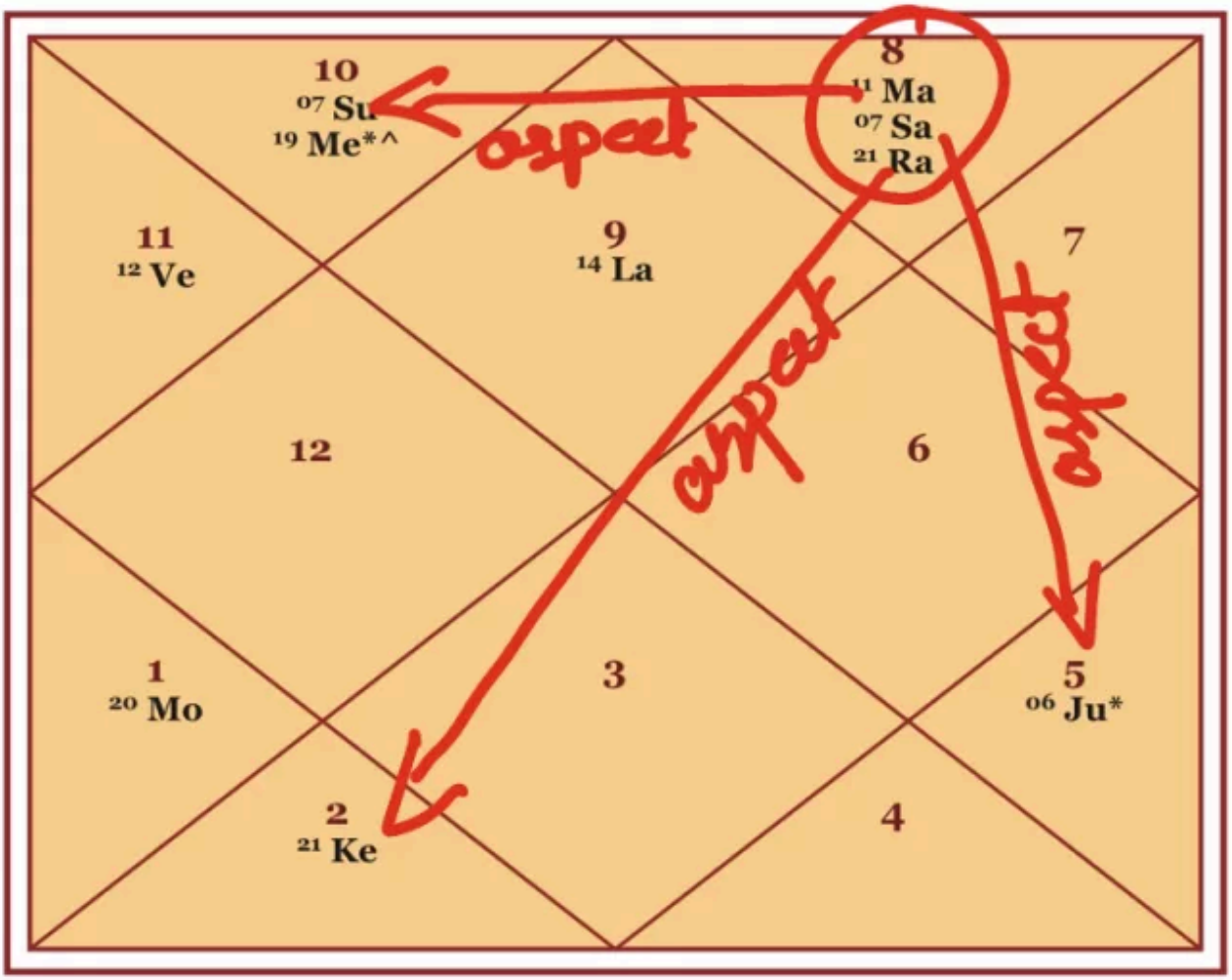

• **छठे भाव पर सीधी दृष्टि:** 12वें भाव में पापी ग्रहों का समूह छठे भाव में स्थित केतु पर सीधी 7वीं दृष्टि डालता है, जिससे खुली शत्रुता, कानूनी दंड और अदालत द्वारा लगाए गए प्रतिबंध तीव्र हो जाते हैं।

• **दूसरे भाव पर दृष्टि:** 12वें भाव में स्थित मंगल अपनी चौथी दृष्टि दूसरे भाव (मकर राशि) पर डालता है, जहाँ सूर्य (राज्य और कानूनी सत्ता का नैसर्गिक कारक) स्थित है। यह सरकारी अधिकारियों के साथ टकराव, जुर्माने या दंडात्मक सरकारी कार्रवाई को दर्शाता है।

• **9वें भाव (लग्नेश) पर शनि की दृष्टि:** 12वें भाव में स्थित शनि अपनी 10वीं दृष्टि सीधे 9वें भाव (सिंह राशि) पर डालता है, जिससे वह सीधे बृहस्पति (लग्नेश) को प्रभावित करता है। कारावास/अलगाव के भाव से लग्नेश को पीड़ित करना व्यक्तिगत स्वतंत्रता को सीमित करता है और उन अवधियों की ओर संकेत करता है जहाँ कानूनी रूप से आवागमन की स्वतंत्रता बाधित हो जाती है।

यह कुंडली एक स्पष्ट और शास्त्रीय बंधन योग को दर्शाती है। कारावास के 12वें भाव में मंगल, शनि और राहु का एक साथ होना, साथ ही 6ठे/12वें भाव की राहु-केतु अक्ष और लग्नेश बृहस्पति पर शनि की दृष्टि, मंगल, शनि या राहु की सक्रिय दशा अवधियों के दौरान कानूनी दंड, हिरासत या औपचारिक कारावास के गंभीर जोखिम की ओर संकेत करती है।

---

https://astroarpitanath.com/hindi/bandhana-jail-yoga/
ज्योतिष केवल मार्गदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है। जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए, कृपया किसी योग्य पेशेवर से परामर्श लें।